>

Title: Situation arising out of increased silting in river Ganga.

श्री राम कृपाल यादव (पटना) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण मामला सदन में उठा रहा हूं। यूं तो गंगा नदी बहुत ही महत्वपूर्ण है, उसमें कई वार्ों से पानी की कमी होती जा रही है। मैं समझता हूं कि गंगा पहले जिस रूप में बहा करती थी, वैसे आज नहीं बह रही है। गंगा नदी कई शहरों से गुजरती है। बिहार का पटना शहर भी गंगा नदी के बगल में अवस्थित है। पिछले कई वार्ों से वहां गंगा नदी का पानी बिल्कुल सूख गया है। वह शहर से काफी दूर तकरीबन चार-पांच किलोमीटर दूर भागती जा रही है। इसका मुख्य कारण गंगा में सफाई का न होना है। गंगा नदी में बालू दिनप्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इस कारण गंगा नदी में पानी की कमी हो रही है।

दूसरा महत्वपूर्ण मामला यह है कि पटना शहर का प्रदूति जल बड़े पैमाने पर गंगा नदी में जाता है। वहां के नौ नाले गंगा नदी में मिलते हैं जिनमें शहर का पूरा गंदा पानी जाता है। कुछ वर्ा पूर्व राजीव गांधी जी ने गंगा सफाई का अभियान चलाया था। उसके लिए राशि भी दी गयी थी। इसके तहत गंगा नदी के बगल में जितने शहर हैं, उनके लिए वॉटर ट्रीटमैंट प्लांट भी बनाये गये थे। मैं समझता हूं कि व वॉटर ट्रीटमैंट प्लांट कारगर ढंग से नहीं बन सके क्योंकि आज भी गंगा नदी में प्रदूति जल जा रहा है। सबसे पहली बात तो यह है कि जब तक गंगा नदी की सफाई नहीं होगी, उसकी खुदाई नहीं होगी, तब तक गंगा नदी में पानी आना बड़ा मुश्किल होगा। मैं कहना चाहता हूं कि उसके लिए व्यवस्था की जाये तथा गंगा नदी में पानी आने के सोर्सेज को ठीक ढंग से मोबिलाइज किया जाये ताकि गंगा नदी में पहले जैसी स्थिति में पानी आ सके। कई खूबसूरत शहर जैसे लखनऊ, बनारस, पटना आदि में गंगा नदी के माध्यम से यातायात की व्यवस्था हो रही है। अभी हाल ही में पटना शहर में परिवहन विभाग द्वारा कई लाख रुपये खर्च करके वहां बंदरगाह बनाया जा रहा है। जब गंगा नदी में पानी नहीं रहेगा तो कम खर्च में जो सामग्रियां वहां पहुंच पातीं, वे नहीं पहुंच पायेंगी। इसलिए मैं समझता हूं कि इस पर विशे ध्यान देने की जरूरत है।

लखनऊ और पटना के लिए एक समेकित योजना बनाई गयी थी जिसके लिए 3 हजार करोड़ रुपये आवंटित किये गये थे। सरकार के माध्यम से लखनऊ में तीन हजार करोड़ रुपये सैंक्शन हो गये मगर पटना के लिए जो 1488 करोड़ रुपये आवंटित किये जाने थे, वे अभी तक नहीं किये गये। इस परियोजना के तहत नालों में ट्रीटमैंट प्लांट, सीवरेज सिस्टम, जलापूर्ति आदि योजनाओं के माध्यम से गंगा नदी की सफाई तथा उसे प्रदूाण से दूर करने का काम किया जा सकता है। मगर समेकित विकास योजना के अन्तर्गत लखनऊ को ले लिया गया क्योंकि तत्कालीन प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी वहां से चुनकर आये थे इसलिए उन्होंने दे दिया। हम लोगों को देखने वाला कोई नहीं है। माननीय वित्त मंत्री जी यहां बैठे हैं। मैं उनसे निवेदन करूंगा कि वे इस पर ध्यान दें। वैसे भी उनको इसके लिए पैसा नहीं देना है , जापान गवर्नमैंट ने देना है क्योंकि जापान गवर्नमैंट हर साल एक शहर को चुनती है। हमारे यहां से बार-बार प्रस्ताव आता है और उसकी सहमति भी हो जाती है मगर पटना शहर को अभी तक 1488 करोड़ रुपये नहीं मिल सके हैं। मैं आपके माध्यम से निवेदन करूंगा कि गंगा नदी की सुरक्षा करने, गंगा नदी को प्रदूाण से बचाने और गंगा नदी में पानी पर्याप्त रहे, इसके लिए सरकार व्यवस्था करे। यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है। मैं समझता हूं कि बंगाल, जहां से आप आते हैं, वह भी इससे अछूता नहीं है। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am also interested in it. I support you.

श्री राम कृपाल यादव : अध्यक्ष महोदय, आप इस पर ध्यान दीजिए और मंत्री जी को निर्देशित कीजिए कि वे इस पर कुछ रिस्पांस करें और गंगा नदी को प्रदूाण से बचायें। इसके साथ-साथ गंगा नदी जो भागती जा रही है, सूख रही है, उससे उसे बचाने का काम करें।

MR. SPEAKER: I can only say that it is a very important issue. I agree with you.